तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा टेस्ट सीरिज-2025

Level-II (Hindi)

Solution_Minor Test-06

कलाम

KALAM ACADEMY, SIKAR

3rd Grade Test Series-2025 L-2 (Hindi) Minor - 06 [Revised-ANSWER KEY] HELD ON : 28/09/2025

Q.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
Ans.	3	3	2	4	2	4	3	3	4	4	1	3	4	1	4	2	2	1	3	3
Q.	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
Ans.	4	3	4	*	4	2	3	4	1	3	2	3	4	2	2	4	3	3	3	2
Q.	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
Ans.	4	1	3	3	4	4	3	2	3	2	2	4	3	4	2	2	3	3	1	1
Q.	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
Ans.	3	3	1	2	2	3	3	1	1	2	4	3	4	2	3	1	1,4	3	3	2
Q.	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
Ans.	2	2	4	3	3	3	2	4	1	1	3	2	1	4	2	4	1	3	2	4
Q.	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120
Ans.	1	3	4	2	3	4	3	3	4	2	4	1	2	3	1	4	2	4	3	2
Q.	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140
Ans.	1	4	3	2	1	3	4	3	3	1	1	3	1	2	1	4	3	4	3	*
Q.	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150										
Ans.	2	2	2	3	3	2	4	3	*	4										

1. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- हाड्ला तापीय विद्युत परियोजना-बीकानेर (125 मेगावाट)
- भदेसर तापीय विद्युत परियोजना- बाड़मेर (100 मेगावाट)
- नेवेली तापीय विद्युत परियोजना- बीकानेर (500 मेगावाट)
- कवई तापीय विद्युत परियोजना- बाराँ (1200 मेगावाट)
- काली सिन्ध थर्मल परियोजना- झालावाड़ (600 मेगावाट-प्रथम इकाई) द्वितीय इकाई- 600 मेगावाट प्रस्तावित।

2. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- राजस्थान में सौर ऊर्जा की संभावित क्षमता 142 GW (1,42,000 MW).
- वर्तमान में राजस्थान सर्वाधिक सौर ऊर्जा का उत्पादन कर देश में **प्रथम स्थान** पर बना हुआ है।
- दिसम्बर, 2024 तक 22,676 MW की अधिष्ठापित क्षमता (रूफटॉफ व ऑफग्रिड संयंत्रों के अलावा) हो चुकी है।

3. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- **राजस्थान सरकार ने हाइब्रिड वार्षिकी मॉडल** (HAM) के तहत् सरकारी भवनों को रूफटॉप सोलर (RTS) से स्थापित करने की घोषणा की। इस योजना के अन्तर्गत, **राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड** (RRECL) को इसके कार्यान्वयन की जिम्मेदारी दी गई है।

4. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- राजस्थान में 18,770 MW प्रारम्भ में पवन ऊर्जा अनुमानित की गई थी, परन्तु 2019 की क्षमता पवन ऊर्जा नीति के अनुसार राजस्थान की 120 मीटर की ऊँचाई पर संभाव्यता 127 GW है।
- नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार 150 मीटर की ऊँचाई पर 284 GW पवन ऊर्जा क्षमता की संभावना के साथ राजस्थान देश में शीर्ष स्थान पर है।
- पहली पवन ऊर्जा नीति-2012 में
- **ग्रीन एनर्जी कोरिडोर**- इसके अन्तर्गत गैर परम्परागत स्रोतों से उत्पादित ऊर्जा को परम्परागत ऊर्जा के ग्रिड से जोड़ा जा रहा है, यह कोरिडोर गुजरात के बनासकांठा से पंजाब के मोगा तक बनाया जा रहा है, जिससे राजस्थान के निम्न पाँच जिले (**चित्तौड़गढ़, अजमेर, नागौर, जोधपुर** एवं **बीकानेर**) शामिल हैं।
- राजस्थान की प्रथम 3 पवन ऊर्जा परियोजनाएँ क्रमश:- अमरसागर (जैसलमेर), देवगढ (प्रतापगढ़) तथा बिठड़ी (फलौदी) है।

5. उत्तर (2)

व्याख्या:-

राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति 2024

- प्रारम्भ- 4 दिसम्बर 2024
- उद्देश्य- इस नीति का मुख्य उद्देश्य नवीनीकरण ऊर्जा के राष्ट्रीय लक्ष्य (2030 तक 500 मेगावाट) को प्राप्त करने में योगदान करना है।

नोट- इस नीति के तहत राजस्थान 2030 तक 125 गीगावाट नवीनीकरण ऊर्जा उत्पादन करेगा, जिसमें 90 गीगावाट सौर ऊर्जा से, 25 गीगावाट पवन ऊर्जा से एवं 10 गीगावाट हाइब्रिड ऊर्जा उत्पादन करेगा।

- इस नीति के तहत 2030 तक राजस्थान 2000 किलो टन प्रतिवर्ष (KTPA) हरित हाइड्रोजन का उत्पादन भी करेगा।

6. उत्तर (4)

व्याख्या:-

इन्दिरा गांधी नहर की शाखाओं पर स्थापित लघुपन विद्युत परियोजनाएँ-

- सूरतगढ़ शाखा (गंगानगर)
- अनूपगढ़ शाखा (गंगानगर)
- पूगल शाखा (बीकानेर)
- चारणवाला शाखा (बीकानेर)
- बीरसलपुर शाखा (बीकानेर)

7. उत्तर (3)

व्याख्या:-

अंता (बाराँ)- 420 मेगावाट

- अंता में गैस आधारित ताप विद्युत संयंत्र केन्द्र सरकार के उपक्रम राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (NTPC) द्वारा स्थापित किया गया है।

8. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- दिसम्बर, 2024 तक राजस्थान में ऊर्जा उत्पादन का अवरोही क्रम (घटता क्रम)- तापीय > सौर > पवन > जल विद्युत > गैस > परमाणु > बायोमास।

9. उत्तर (4)

व्याख्या:-

सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर स्टेशन :- सूरतगढ़ (गंगानगर)

- यहाँ 250-250 MW की पहले 6 इकाईयाँ कार्यरत थी जिनकी कुल क्षमता 1500 MW थी।
- वर्तमान में यहाँ 660-660 MW की 2 नई इकाईयाँ शुरू की गई, जो क्रिटिकल इकाईयाँ है।
- अर्थात् अब इस संयत्र की कुल क्षमता 2820 MW हो गई है।

अत: **यह सर्वाधिक क्षमता वाला ताप विद्युत संयंत्र है।**

10. उत्तर (4)

व्याख्या:-

राजस्थान में निर्माणाधीन सोलर पार्क -

- फलौदी-पोकरण सोलर पार्क (जोधपुर-जैसलमेर)
- फतेहगढ़ सोलर पार्क, जैसलमेर
- नोख सोलर पार्क, जैसलमेर
- पूगल सोलर पार्क, बीकानेर
- बोडाना सोलर पार्क, जैसलमेर

नोट: धुनिया सोलर पॉवर प्लान्ट जोधपुर में स्थित है।

11. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- राज्य में नहर पर बना पहला सोलर पावर प्लांट मैनावली (हनुमानगढ़) में स्थापित किया गया है जिसका शुभारम्भ 20 सितम्बर, 2017 को किया गया।

12. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- **नई सौर ऊर्जा नीति 2019** में घोषित की गई है, Global Commitment के अन्तर्गत भारत द्वारा 2022 तक गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों से 175 GW विद्युत उत्पादन का राष्ट्रीय लक्ष्य रखा गया है। जिसमें से सौर ऊर्जा हिस्सा 100 GW है। इस हेतु राजस्थान को 2024-25 तक 30 GW (30,000 MW) सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य इस नई नीति में दिया गया है।

13. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- राजस्थान सरकार ने **29 सितम्बर, 2023** को '**बायोमास एण्ड वेस्ट टू ऐनर्जी नीति-2023**' जारी की है।

14. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- **पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना-** PM सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का विस्तार कर मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना के लाभार्थी परिवारों की छत पर नि:शुल्क सौलर प्लान्ट्स लगवा कर 100 के स्थान पर 150 यूनिट बिजली प्रतिमाह नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी।

15. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- दिसम्बर, 2024 तक राजस्थान में कुल 128.45 MW के 14 बायोमास संयंत्र स्थापित किये जा चुके हैं।

16. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- राजस्थान में पहली रेल 1874 में **आगरा फोर्ट से बांदीकुई (दौसा)** के मध्य चलाई गई।
- राजस्थान में रेल बस सेवा मेड़ता रोड़ से मेड़ता सिटी के बीच शुरू की गई थी।
- **मार्च 2022 के अंत तक राजस्थान में 6046 किमी. की लम्बाई** में रेलमार्गों का विकास किया गया है जो भारत के रेलमार्गों की कुल लम्बाई का 8.89 प्रतिशत है।

17. उत्तर (2)

व्याख्या:-

राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम (RREC)- 2002

नोट- RREC का गठन अगस्त, 2002 में REDA तथा RSPCL के विलय से हुआ।

18. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- राजस्थान का वर्तमान में पर्यटन का **नारा/स्लोगन- 'पधारो म्हारे देश'** है।

19. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- राज्य के पश्चिमी मरुस्थलीय जिलों **जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर एवं बीकानेर** के पर्यटन स्थलों के विकास हेतु इन्हें मरु त्रिकोण के रूप में जापान की संस्था JBIC की वित्तीय सहायता से विकसित किया जा रहा है।

20. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- **जयपुर, जोधपुर एवं उदयपुर में हॉप-ऑन हॉप-ऑफ बस सेवा** शुरू की जाएगी।

21. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- **GSI द्वारा राजस्थान की 12 साइटों को जियो हेरिटेज साइट घोषित किया गया है-**

1. जावर, उदयपुर (2016 में घोषित)
2. रामगढ़ क्रेटर, बाराँ (2016 में घोषित)
3. ऑकलवुड फॉसिल पार्क (राष्ट्रीय मरु उद्यान), जैसलमेर
4. जोधपुर समूह-मालाणी आग्नेय चट्टानें, जोधपुर
5. वेल्डेड टफ, जोधपुर
6. स्ट्रोमेटोलाइट पार्क, झामरकोटड़ा (उदयपुर)
7. स्ट्रोमेटोलाइट पार्क, भोजुड़ा (चित्तौड़गढ़)
8. ग्रेट बाउण्डरी फॉल्ट, सातूर (बूँदी)
9. गोसाण राजपुरा दरीबा, राजसमंद
10. सेंदरा ग्रेनाइट, पाली
11. बार कांग्लोमेरेट, पाली
12. नेफेलाइन साइनाइड, किशनगढ़ (अजमेर)

22. उत्तर (3)

व्याख्या:-

राजस्थान स्थित प्रमुख पर्यटन स्थल-

- नाकोड़ा के जैन मंदिर - बाड़मेर
- सोनी जी की नसिया (लाल मंदिर) - अजमेर
- चन्द्र महल (सिटी पैलेस) - जयपुर
- गरीब नवाज (ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती) की दरगाह - अजमेर
- हमीदुद्दीन नागौरी की दरगाह (तारकीन का उर्स) - नागौर
- नरहड़ की दरगाह (हजरत हाजिब शक्कर बादशाह) - झुँझुनूँ
- मीठेशाह की दरगाह - गागरोन (झालावाड़)
- गलियाकोट - डूँगरपुर
- जगदीश मंदिर - उदयपुर
- लालगढ़ - बीकानेर
- गणेश मंदिर - सवाईमाधोपुर

23. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- जयपुर परकोटा/चार दीवारी वाला शहर (2019 में शामिल)।
- **राजस्थान के 9 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल-**
- **किले/दुर्ग-**
  - जैसलमेर दुर्ग (जैसलमेर)
  - चित्तौड़गढ़ दुर्ग (चित्तौड़गढ़)
  - आमेर दुर्ग (जयपुर)
  - रणथम्भौर दुर्ग (सवाईमाधोपुर)
  - कुम्भलगढ़ दुर्ग (राजसमंद)
  - गागरोन दुर्ग (झालावाड़)

नोट- उपरोक्त किले 2013 में यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में सम्मिलित किये गये।

24. उत्तर (*)

व्याख्या:-

क्र. सं.	मेले/उत्सव	स्थान	माह
1.	ऊँट महोत्सव	बीकानेर	जनवरी
2.	मरू महोत्सव	जैसलमेर	जनवरी - फरवरी
3.	मारवाड़ महोत्सव	जोधपुर	सितम्बर-अक्टूबर
4.	थार महोत्सव	बाड़मेर	मार्च
5.	हाथी महोत्सव	जयपुर	मार्च
6.	दशहरा महोत्सव	कोटा	अक्टूबर
7.	ग्रीष्म महोत्सव	मा. आबू (सिरोही)	मई - जून
8.	जीण माता मेला	सीकर	-
9.	खाटुश्याम मेला	सीकर	-
10.	सालासर मेला	चूरू	-
11.	भर्तृहरि मेला	अलवर	-
12.	करणी माता मेला	बीकानेर	-
13.	गणेश मंदिर मेला	सवाईमाधोपुर	-
14.	कैला देवी मेला	करौली	-
15.	तीज मेला	जयपुर	-
16.	पतंग महोत्सव	जयपुर	जनवरी
17.	कुंभलगढ़ महोत्सव	राजसमंद	दिसम्बर
18.	ब्रज महोत्सव	भरतपुर	फाल्गुन
19.	मेवाड़ महोत्सव	उदयपुर	मार्च-अप्रैल
20.	वृक्ष महोत्सव	खेजड़ली, जोधपुर	सितम्बर
21.	माही महोत्सव	बांसवाड़ा (2025)	जनवरी-फरवरी

25. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- **तीर्थ सर्किट में** अजमेर, पुष्कर, नाथद्वारा, महावीर जी आदि पर्यटन स्थलों को सम्मिलित किया गया है।
- **ट्राइबल पर्यटन सर्किट**- इसमें बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, प्रतापगढ़ एवं उदयपुर को शामिल किया गया है।

26. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- राज्य में वर्ष 2024 में स्वदेशी पर्यटक यात्राओं की दृष्टि से जिलेवार स्थिति-

1. सीकर (2.76 करोड़) - राज्य का शीर्ष पर्यटन स्थल

2. चित्तौड़गढ़ (2.41 करोड़)

3. अजमेर (2.25 करोड़)

27. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- राजस्थान में वर्ष 1949 में सड़कों की लम्बाई 13553 किमी. थी जो मार्च 2024 तक बढ़कर 3,17,121 किमी हो गई है।
- 31 मार्च 2024 तक राज्य में प्रति 100 वर्ग किमी. पर सड़कों का **घनत्व 92.66 किमी.** है, जो राष्ट्रीय औसत 165.24 किमी. से कम है।

28. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- **पूर्व-पश्चिम गलियारा**- यह असम के सिलचर को गुजरात के पोरबंदर से जोड़ने वाला गलियारा है, जो **राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 के रूप में 528 km की लम्बाई** में (सिरोही-उदयपुर-चित्तौड़गढ़-भीलवाड़ा-बूँदी-कोटा-बाराँ) जिलों से गुजरता है।

29. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- **जयपुर मेट्रो कॉरपोरेशन फेज-2 (सीतापुरा से विद्याधर नगर तक प्रस्तावित) :** यह परियोजना भारत व राजस्थान सरकार के बीच संयुक्त उद्यम (50 : 50) का गठन किया जाना प्रक्रियाधीन है। राजस्थान मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा इसका सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र से अम्बाबाड़ी व विद्याधर नगर (टोडी मोड़ तक) नेटवर्क का विस्तार करेगा व जगतपुरा व वैशाली नगर में मेट्रो विस्तार हेतु DPR तैयार करेगा।

30. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- राजस्थान में सबसे पहले जोधपुर में निजी क्षेत्र में वायु परिवहन शुरू हुआ तथा यहाँ एक फ्लाईंग क्लब की स्थापना की गई थी।
- ♦ सांगानेर **अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (जयपुर)**
- ♦ रातानाड़ा हवाई अड्डा- जोधपुर (वायु सेना द्वारा भी उपयोग)
- ♦ डबोक हवाई अड्डा - उदयपुर
- ♦ कोटा हवाई अड्डा - कोटा
- ♦ किशनगढ हवाई अड्डा - किशनगढ़ (अक्टूबर 2017)
- ♦ जैसलमेर हवाई अड्डा - जैसलमेर (वायुसेना द्वारा भी उपयोग)
- ♦ सूरतगढ़ (गंगानगर)- वायुसेना हेतु।
- ♦ नाल हवाई अड्डा (बीकानेर) - **भूमिगत हवाई अड्डा,** वायुसेना के उपयोग हेतु तथा वर्तमान में नागरिक उड़ानें भी शुरू।
- ♦ फलौदी (जोधपुर)- वायुसेना हेतु।
- ♦ उत्तरलाई (बाड़मेर)- वायुसेना व नागरिक सेवा हेतु।

31. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- राजस्थान को पाँच रेल मंडलों में विभक्त किया गया है-

1. जयपुर 2. बीकानेर 3. जोधपुर
4. अजमेर 5. कोटा

नोट - कोटा मंडल पश्चिम-मध्य रेलवे जोन के अंतर्गत आता है, जिसका मुख्यालय जबलपुर में है।

- कोटा मंडल के अलावा शेष चार मंडल उत्तरी-पश्चिम रेलवे जोन में आते हैं, जिसका मुख्यालय जयपुर में है।

32. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- **राजस्थान राज्य राजमार्ग अधिनियम, 2014**- राजमार्गों की उद्घोषणा, विकास, संचालन, सुरक्षा, राजमार्गों के नियमन, भूमि के उपयोग से सुविधा के साथ-साथ राजमार्गों एवं अन्य सड़कों के लिए भूमि के अधिग्रहण, राजस्थान राज्य राजमार्ग प्राधिकरण के गठन और इससे संबंधित आनुषंगिक मामलों के निस्तारण को सुविधाजनक बनाने के लिए 26 अप्रैल, 2015 में एक राजस्थान राज्य राजमार्ग अधिनियम, 2014 बनाया गया। **राजस्थान राज्य राजमार्ग प्राधिकरण 1 सितम्बर, 2023** से क्रियाशील हो गया है तथा वर्तमान में (31 मार्च, 2024 तक) **57 राज्य राजमार्गों** को देखरेख इसके अधीन है।

33. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- **वागड़ टूरिस्ट सर्किट**- डूंगरपुर व बाँसवाड़ा क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **मानगढ़धाम-देवसोमनाथ-बेणेश्वर-गलियाकोट-अर्थूना-त्रिपुरी सुंदरी-कडाना-माही बजाज सागर-कागदी पिकअप-घोटिया अम्बा** आदि पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों को सम्मिलित कर वागड़ टूरिस्ट सर्किट विकसित किया जायेगा।

34. उत्तर (2)

व्याख्या:-

प्रमुख पैनोरमा स्थल
हड़बूजी का पैनोरमा - **बैंगटी (फलौदी)**
रैवासा धाम (सीकर)
तेजाजी महाराज पैनोरमा - **सुरपुरा (अजमेर)**
हड़बूजी सांखला पैनोरमा - **भूण्डेल (खींवसर, नागौर)**
श्रीगोगादेव जी राठौड़ पैनोरमा - **सेखाला (जोधपुर)**
संत सदाराम जी महाराज को पेनोरमा - **गुहड़ा (जैसलमेर)**
जैसलमेर में थीम पार्क तथा सूरसागर (जोधपुर) में अमर शहीद हेमू कालानी स्मृति स्मारक एवं उद्यान का निर्माण किया जायेगा।

35. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- **राजस्थान की ईको टूरिज्म पॉलिसी**- राजस्थान की प्रथम ईको टूरिज्म पॉलिसी 4 फरवरी, 2010 को जारी की गई थी तथा **नवीन ईको-टूरिज्म पॉलिसी 15 जुलाई, 2021 से 2030 तक** के लिए जारी की गई है।

36. उत्तर (4)

व्याख्या:-

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना -

- मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का नाम बदलकर मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना कर दिया गया है। (19 फरवरी 2024)
- **प्रारम्भ** : 1 मई, 2021 (मजदूर दिवस)
- **नोडल विभाग**- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग
- **उद्देश्य** : सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल के लक्ष्य (सतत् विकास लक्ष्य) को प्राप्त करने हेतु राज्य के प्रत्येक परिवार को **25 लाख के कैशलेस बीमा** की सुविधा प्रदान करना।

37. उत्तर (3)

व्याख्या:-

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (MAA) वाउचर योजना -

- राजस्थान सरकार द्वारा राज्य बजट 2024-25 में राज्य की पात्र गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के उद्देश्य से अधिकृत सोनोग्राफी केन्द्रों पर नि:शुल्क सोनोग्राफी सेवा उपलब्ध करवाने हेतु मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (MAA) वाउचर योजना प्रारम्भ की गई है।
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 17 सितम्बर, 2024 को जयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में इस योजना का शुभारंभ किया।

38. उत्तर (3)

व्याख्या:-

मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल सम्बल योजना-2024

- शुभारंभ - दिसम्बर 2024
- राज्य सरकार द्वारा दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित बालक एवं बालिकाओं को राहत देने के लिए '**मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल सम्बल योजना**' को सम्पूर्ण राज्य में शुरू किया गया है।
- नोडल विभाग - सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग

39. उत्तर (3)

व्याख्या:-

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

- यह भारत सरकार द्वारा संचालित एक मातृत्व लाभ कार्यक्रम है।
- **लॉन्च** - 1 जनवरी, 2017
- राज्य सरकार ने 1 अप्रैल 2024 से पहली संतान के जन्म पर गर्भवती महिलाओं को 1,500 रु. अतिरिक्त राशि प्रदान करना शुरू किया है। दिव्यांग गर्भवती महिलाओं के लिए यह राशि 1 सितंबर 2024 से 6,500 रु. से बढ़ाकर 10,000 रु. (4000, 3000, 3000) कर दी गई है।

40. उत्तर (2)

व्याख्या:-

कालीबाई भील उड़ान योजना

- **शुरूआत** : 19 दिसम्बर, 2021
- इस योजना के तहत राज्य की 10 से 45 वर्ष तक की बालिकाएँ एवं महिलाएँ पात्र होंगी।
- इस योजना के तहत प्रतिमाह 12 सेनेटरी नैपकिन नि:शुल्क वितरित किये जा रहे है।

41. उत्तर (4)

व्याख्या:-

पालनहार योजना

- इस योजना के **तहत् पात्र बच्चों की 10 श्रेणियां** इस प्रकार हैं-

1. अनाथ बच्चे (जिनके माता-पिता दोनों की मृत्यु)
2. न्यायिक प्रक्रिया से मृत्युदण्ड / आजीवन कारावास प्राप्त माता-पिता की संतान
3. निराश्रित पेंशन की पात्र विधवा माता की अधिकतम तीन संतानें
4. नाता जाने वाली माता की अधिकतम तीन संताने
5. पुनर्विवाहित विधवा माता की संतान
6. एड्स पीड़ित माता/पिता की संतान
7. कुष्ठ रोग से पीड़ित माता/पिता की संतान
8. सिलकोसिस पीड़ित माता/पिता की संतान
9. विकलांग माता - पिता की संतान
10. तलाकशुदा / परित्यकता महिला की संतान

42. उत्तर (1)

व्याख्या:-

एग्री स्टैक योजना

- 2 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने 2817 करोड़ रुपये के परिव्यय से 'डिजिटल कृषि मिशन' को मंजूरी प्रदान की, इस मिशन के तहत निम्न तीन डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना बनायी जाएगी।

1. एग्री स्टैक
2. कृषि निर्णय सहायता प्रणाली
3. मृदा प्रोफाइल मैपिंग

- राज्य की वर्तमान सरकार की पहली वर्षगांठ के अवसर पर दिसम्बर 2024 माह में सीकर जिले से एग्री स्टैक योजना को पायलेट प्रोजेक्ट तौर पर राजस्थान में शुरू किया गया।
- ग्राम पंचायत स्तर पर फार्मर रजिस्ट्री कैम्पस लगाकर 5 फरवरी 2025 से एग्री स्टैक योजना को सम्पूर्ण राजस्थान में प्रारम्भ किया गया।

43. उत्तर (3)

व्याख्या:-

गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना

- राजस्थान बजट 2024-25 की अनुपालना में गोवंश से जैविक खाद उत्पादन करने हेतु राज्य सरकार द्वारा **गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना** प्रारम्भ की गई।
- **विभाग:** कृषि विभाग, राजस्थान सरकार।
- **अनुदान:** इस योजना के अन्तर्गत किसान द्वारा अपने खेत में वर्मी कम्पोस्ट इकाई लगाने पर लागत का पचास फीसदी या अधिकतम दस हजार रुपये का अनुदान देय।
- **आवेदन हेतु पात्रताएं-**
  - *(i)* कृषक के पास कम से कम 5 गोवंश होने चाहिए।
  - *(ii)* कृषक के पास कृषि योग्य भूमि का स्वामित्व होना चाहिए।
- राजस्थान बजट 2025-26 के अन्तर्गत राज्य सरकार ने इस योजना के अन्तर्गत **50 हजार कृषकों को लाभान्वित** किए जाने की घोषणा की है।

44. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- राजस्थान सरकार की सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से संबंधित योजनाएँ-

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना

नवजीवन योजना

45. उत्तर (3)

व्याख्या:-

योजना	विभाग
• मुख्यमंत्री कोरोना सहायता योजना	सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग
• किशोरी बालिका योजना	महिला एवं बाल विकास विभाग
• मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना	चिकित्सा विभाग
• मृदा शक्ति संवर्धन योजना	कृषि विभाग

46. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- **राम जल सेतु परियोजना:-**
- **प्रस्तावित कार्य :** इस परियोजना के तहत 6 बैराज तथा 2 बाँध का कार्य प्रस्तावित है-

बैराज-

1. कुन्नू बैराज (बाराँ) - कुन्नू नदी
2. रामगढ़ बैराज (बाराँ) - कूल नदी
3. महलपुर बैराज (बाराँ) - पार्वती नदी
4. नवनेरा बैराज (कोटा) - कालीसिंध नदी
5. मेज बैराज (बूँदी) - मेज नदी
6. राठौड़ बैराज (सवाईमाधोपुर) - बनास नदी

47. उत्तर (3)

व्याख्या:-

बाबा साहब अम्बेडकर सम्बल योजना

- 14 अप्रैल 2025 को राजस्थान सरकार द्वारा 50 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जाति की आबादी वाले गाँवों में आधारभूत संरचना एवं विकास कार्यों हेतु **'बाबा साहेब अम्बेडकर सम्बल योजना'** प्रारम्भ की गई।

48. उत्तर (3)

व्याख्या:-

मुख्यमंत्री मंगला पशु जीवन योजना

- **योजना प्रारम्भ-** 13 दिसम्बर, 2024 को मुख्यमंत्री द्वारा कायड़ अजमेर से
- **नोडल विभाग-**पशुपालक विभाग
- पशु की कीमत का मूल्यांकन पशु के स्वास्थ्य, दुग्ध उत्पादन क्षमता, आयु, ब्यात् व नस्ल आदि के आधार पर प्रचलित बाजार मूल्य अनुसार पशु चिकित्सक, पशुपालक एवं बीमा प्रतिनिधि द्वारा आपसी सहमति से किया जावेगा तदापि बीमा के लिये 1 कैटल यूनिट पशु की अधिकतम कीमत 40,000/- रूपये ही होगी।

पशु की उम्र का निर्धारण

पशु का प्रकार	बीमा हेतु पशु की उम्र
गाय (दुधारू)	3 वर्ष से 12 वर्ष
भैंस (दुधारू)	4 वर्ष से 12 वर्ष
बकरी (मादा)	1 वर्ष से 6 वर्ष
भेड़ (मादा)	1 वर्ष से 6 वर्ष
ऊँट (नर एवं मादा)	2 वर्ष से 15 वर्ष

49. उत्तर (2)

व्याख्या:-

बर्तन बैंक योजना

- बजट घोषणा 2025-26 की अनुपालना में प्लास्टिक मुक्त गाँव की दिशा में कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने 12 अप्रैल, 2025 को **बाराँ** जिले से बर्तन बैंक योजना का शुभारम्भ किया है।
- इस योजना के अन्तर्गत **प्रदेश का पहला बर्तन बैंक** कोटा जिले की **खैराबाद** पंचायत समिति में खोला गया।

50. उत्तर (2)

व्याख्या:-

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना

- ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने एवं समावेशी विकास को बढ़ाने के उद्देश्य से यह योजना 1 अप्रैल, 2008 से सम्पूर्ण देश में संचालित है।

- इस योजना के तहत उक्त अधिनियम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक परिवार को (जिसके व्यस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम करने को तैयार है।) एक वित्तीय वर्ष के दौरान 100 दिन का सुनिश्चित रोजगार उपलब्ध कराया जाता है।
- 'ग्राम सभा' कार्यों के चयन तथा वार्षिक कार्य योजना तैयार करने हेतु मुख्य रूप से अधिकृत है।
- 'ग्राम सभा' सामाजिक अंकेक्षण करती है।

51. उत्तर (2)

व्याख्या:-

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान (PM-जनमन)

- विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTG) की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार के लिए 'प्रधानमंत्री PVTG विकास मिशन' शुरू किया गया है।
- बाराँ जिले की सभी 8 पंचायत समितियों में निवासरत PVTG (सहरिया) के परिवारों के लिए आवास निर्माण हेतु 2.35 लाख रु. दिये जाने का प्रावधान है। जिसमें सम्मिलित हैं-
  - आवास निर्माण हेतु 2 लाख रु.,
  - (स्वच्छ भारत मिशन) शौचालय निर्माण हेतु 12000 रु. और
  - (मनरेगा के तहत) अकुशल मानव दिवस की पारिश्रमिक राशि 22950 रु.।

52. उत्तर (4)

व्याख्या:-

योजना	आरंभ वर्ष
• किसान कलेवा योजना	2014
• ऊँट प्रजनन प्रोत्साहन योजना	2 अक्टूबर, 2016
• मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन पेंशन योजना	2013
• राजस्थान पत्रकार स्वास्थ्य योजना	28 मार्च, 2025

53. उत्तर (3)

व्याख्या:-

मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना, 2024

- **शुभारंभ-** 15 दिसम्बर, 2024 मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा
- राजस्थान के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, पथ विक्रेताओं (Street Vendors) तथा लोक कलाकारों द्वारा भविष्य सम्बन्धी आशंकाओं के समाधान एवं वृद्धावस्था में उन्हें संबल प्रदान करने के लिए 'मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना, 2024' लागू की है।

54. उत्तर (4)

व्याख्या:-

अरावली ग्रीन वाल परियोजना

- इस योजना को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत् नई दिल्ली से शुरू किया था।
- इस परियोजना का विस्तार राजस्थान के 19 जिलों (उदयपुर, सिरोही, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, झुन्झुनूं, अलवर, जयपुर, अजमेर, पाली, नागौर, सीकर, दौसा, भरतपुर, करौली, सवाई माधोपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, राजसमंद) में है। (सर्वाधिक विस्तार उदयपुर तथा सबसे कम विस्तार भरतपुर में)

55. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- 1540 ई. में रचित ग्रंथ पद्मावत में अलाउद्दीन खिलजी एवं मेवाड़ शासक रावल रतन सिहं के मध्य युद्ध का वर्णन मिलता है
- इस ग्रंथ में युद्ध का कारण रानी पद्मिनी की सुन्दरता को माना गया है।
- इसका लेखन मलिक मोहम्मद जायसी द्वारा किया गया था।

56. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- जयानक द्वारा रचित पृथ्वीराज विजय ग्रंथ की भाषा संस्कृत है, जिसमें पृथ्वीराज तृतीय चौहान के वंशक्रम व उपलब्धियों का वर्णन है।

57. उत्तर (3)

व्याख्या:-

रचना	लेखक
• हंसतोड़ा होंठा रो सांच	आईदान सिंह भाटी
• गुणभाषा	हेमकवि
• बुद्धि रासौ	जल्ह
• बारीक बात	रामस्वरूप किसान
• बौले सरणाटौ, बाथां में भूगोल	हरीश भादाणी
• रिन्दरोही	अर्जुन देव चारण
• गलालौंग	अमरनाथ जोगी
• प्रबन्ध कोश	राजशेखर
• संस्कृत री सनातन दीठ	भँवर सिंह सामौर

58. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृत अकादमी की स्थापना वर्ष 1983 में बीकानेर में की गई।

59. उत्तर (1)

व्याख्या:-

साहित्यिक संगठन व संस्थाएं	स्थान
अन्तर प्रान्तीय कुमार साहित्य परिषद्	जोधपुर
हिन्दी साहित्य समिति	भरतपुर
भारतेन्दु समिति	कोटा
राष्ट्रभाषा प्रचार समिति	श्री डूंगरगढ़
हिन्दी संसद	चुरू
सिंध राजस्थान राष्ट्रभाषा प्रचार समिति	जयपुर
राजस्थान लेखिका साहित्य संस्थान	जयपुर
युगधारा	उदयपुर
साहित्य संगम	अलवर
संभावना	जोधपुर
सरस्वती भंडार	उदयपुर
अनूप संस्कृत पुस्तकालय	बीकानेर
पुस्तक प्रकाश	जोधपुर
शास्त्र भंडार	आमेर

60. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- 18 अगस्त, 2025 तक 'मिशन हरियालो राजस्थान अभियान 2.0' के तहत् राजस्थान में सर्वाधिक वृक्षारोपण शिक्षा विभाग द्वारा किया गया।

61. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप 'सुपोषित ग्राम पंचायत अभिमान' के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रगति मूल्यांकन हेतु **केरल** राज्य की टीम द्वारा **राजस्थान** में 'पीयर रिव्यू' अभियान आयोजित किया गया।
- यह अभियान 18 से 24 अगस्त, 2025 तक राजस्थान के चयनित 6 जिलों (जयपुर, उदयपुर, अलवर, चूरू, बूँदी एवं झुंझुनूं) में संचालित किया गया।

62. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- राज्य सरकार द्वारा युवाओं को स्वावलंबी बनाने एवं रोजगार के नए अवसर उपलब्ध करने के उद्देश्य से विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना को मंजूरी प्रदान की गई है।

- इस योजना के तहत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को स्वयं का उद्यम स्थापित करने, पहले से स्थापित उद्यम का विस्तार, विविधीकरण अथवा आधुनिकीकरण करने हेतु वित्तीय संस्थानों के माध्यम से मार्जिन मनी एवं कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जो निम्नलिखित प्रावधानों के अधीन होगा-
  - ♦ **मार्जिन मनी :** वित्तीय संस्थान द्वारा दिये गये ऋण पर 25 प्रतिशत अथवा अधिकतम 5 लाख रूपये तक मार्जिन मनी अनुदान।
  - ♦ **ब्याज अनुदान :** अधिकतम 2 करोड़ रूपये तक के ऋण पर 8 प्रतिशत तक ब्याज अनुदान दिया जायेगा।

63. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- 28 अगस्त, 2025 को राज्य की स्वयं सहायता समुहों की महिला सदस्यों, शिल्पकारों व लघु उद्यमियों को उनके उत्पादों व कौशल प्रदर्शन हेतु मंच प्रदान किए जाने हेतु राजीविका व वी. शक्ति ट्रस्ट संस्थानों के मध्य एक 'गैर वित्तीय समझौते पत्र' हस्ताक्षरित किया गया।

64. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- 27 अगस्त, 2025 को भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने 7वें वित्त आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्यग्रहण कर लिया है। (नियुक्ति 1 अगस्त, 2025 को की गई)
- सेवानिवृत्त IAS नरेश कुमार ठकराल को आयोग का सचिव बनाया गया है।
- आयोग के अध्यक्ष एवं सचिव का कार्यकाल अधिसूचना की तारीख (1 अगस्त, 2025) से डेढ़ वर्ष होगा तथा यह आयोग 1 अप्रैल, 2025 से 31 मार्च, 2030 तक (पाँच वर्ष) की अवधि के लिए अपना प्रतिवेदन सरकार को देगा।
- संविधान के अनुच्छेद 243-I और अनुच्छेद 243-Y तथा राजस्थान पंचायती राज अधिनियम-1994 और राजस्थान नगरपालिका अधिनियम-2009 के उपबन्धों के अनुसरण में राज्यपाल राज्य वित्त आयोग का गठन करता है।

65. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- 16 से 30 अगस्त तक कजाखस्तान में आयोजित 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप के जूनियर वर्ग में राजस्थान के अभिनव चौधरी ने तीन स्वर्ण पदक (25 मीटर राइफल फायर पिस्टल जूनियर टीम, 25 मीटर पिस्टल जूनियर, 50 मीटर फ्री पिस्टल जूनियर टीम) जीते।

66. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- यावज्जीवन - जीवन पर्यन्त

67. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- नीलोत्पल - नीला है जो उत्पल
- नीलगगन - नीला है जो गगन
- रघुपति - रघु का है जो पति - राम (बहुव्रीहि समास)
- श्याम-सुंदर - जो श्याम है जो सुंदर है

68. उत्तर (1)

69. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- अव्ययीभाव समास में पूर्वपद प्रधान होता है।

70. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- मुरारि = मुर + अरि = दीर्घ संधि
- मुरारि = मुर (राक्षस) का है जो अरि - कृष्ण (बहुव्रीहि समास)
- यज्ञशाला = यज्ञ के लिए शाला (संप्रदान तत्पुरुष समास)
- दानवीर = दान देने में वीर (अधिकरण तत्पुरुष समास)
- सेवानिवृत्त = सेवा से निवृत्त (अपादान तत्पुरुष समास)

71. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- रसोई के लिए घर

72. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- योजक चिह्न = (-)

73. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- देशगत = देश को गया हुआ - कर्म तत्पुरुष समास
- गगनचुम्बी = गगन को चूमने वाली - कर्म तत्पुरुष समास
- चिड़ीमार = चिड़ियों को मारने वाला - कर्म तत्पुरुष समास
- मूर्तिपूजा = मूर्ति की पूजा - संबंध तत्पुरुष समास

74. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- सभाभवन - सभा के लिए भवन

75. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- पीला-जर्द = पीला है जो जर्द है (कर्मधारय समास)
- सीताराम = सीता और राम (द्वन्द्व समास)
- इक्यासी = अस्सी और एक (द्वन्द्व समास)
- आस-पास = पास आदि (द्वन्द्व समास)

76. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- हरफनमौला - हरफन (कला) में मौला (उस्ताद) - अधिकरण तत्पुरुष समास

77. उत्तर (1, 4)

व्याख्या:-

- आजानुबाहु - जानु से बाहु तक (अव्ययीभाव समास)
- शेषशायी - शेष पर शयन करते हैं जो - विष्णु (बहुव्रीहि समास)
- लम्बोदर - लम्बा है उदर जिसका - गणेश (बहुव्रीहि समास)
- नवोढ़ा - नव है जो उढ़ा (विवाहित) (कर्मधारय समास)

78. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- कीर्तिलता - लता रूपी कीर्ति (कर्मधारय समास)

79. उत्तर (3)

- बारहसिंगा - बारह हैं सींग जिसके - हिरण की एक प्रजाति

80. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- भरपेट - पेट भर (अव्ययीभाव समास)
- भयाकुल - भय से आकुल (करण तत्पुरुष समास)
- दिनभर - पूरे दिन (अव्ययीभाव समास)
- पापमुक्त - पाप से मुक्त (अपादान तत्पुरुष समास)
- दिनोंदिन - दिन के बाद दिन (अव्ययीभाव समास)
- अनिच्छा - न इच्छा (नञ् तत्पुरुष समास)

81. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- कामचोर - काम से जी चुराने वाला

82. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- नीलोत्पल - नीला है जो उत्पल (कमल)

83. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- लालमणि - लाल है जो मणि (कर्मधारय समास)
- द्विगु - दो गायों का समूह (द्विगु समास)
- हतश्री - श्री से हत (अपादान तत्पुरुष समास)
- गवेषणा - गो + एषणा (अयादि स्वर संधि)

84. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- पथभ्रष्ट - पथ से भ्रष्ट

85. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- रातोंरात - रात ही रात में (अव्ययीभाव समास)

86. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- षष्टि - साठ वर्ष
- षष्ठी - छठी

87. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- सबल - शक्तिशाली
- शबल - रंग-बिरंगा

88. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- आरि - जिद्द
- आरी - काटने का औजार
- संग - संगति
- संघ - समूह
- शचि - इंद्र पत्नी
- शुचि - पवित्र

89. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- सुरभि - गंध
- सुरभी - गाय

90. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- विच्छेद - अलगाव
- परिच्छेद - अलग किया हुआ

91. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- व्यजन - पंखा
- व्यंजन - पकवान

92. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- विश्वंभर-परमेश्वर
  विश्वंभरा-पृथ्वी
- **व्रण-घाव**
  वर्ण-रंग
- पृथा-कुंती
  प्रथा-रीति
- परिणय-विवाह
  प्रणय- प्रेम

93. उत्तर (*)

व्याख्या:-

- प्रश्न के सभी विकल्प सही हैं। अत: प्रश्न में अस्पष्टता के कारण प्रश्न को डिलीट किया गया है।

94. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- प्रेषक - भेजने वाला
- प्रेक्षक - देखने वाला
- प्रेषित - भेजा गया
- प्रेक्षित - देखा गया

95. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- परिक्षित-नष्ट भ्रष्ट
  परीक्षित-जाँचा हुआ
- पयोद-बादल
  पयोधि-समुद्र
- नक्र-मगर
  नरक-पापियों का स्थान
- नाई-हजामत बनाने वाला
  नाईं-तरह

96. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- निर्माण-रचना
  निर्वाण-मोक्ष
- परिमाण-तौल
  परिणाम-नतीजा
- निर्जर-देवता
  निर्झर-झरना
- कथा-कहानी
  कंथा-गुदड़ी

97. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- ग्रंथि - गाँठ
- ग्रंथी - गुरु ग्रंथसाहब का पाठ करने वाला

98. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- कोड़ी-बीस
  कौड़ी-घोंघा आदि का घर
- कटिबद्ध-तैयार
  कटिबंध-कमर का एक आभूषण

कलाम ACADEMY

- घोष-गर्जन
  घोस-बस्ती
- छाग-बकरा
  छाक-तृप्ति

99. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- जगत - कुएँ का चबूतरा
- जगत् - संसार

100. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- Permitted - अनुमत, अनुज्ञप्त, अनुमति प्राप्त

101. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- Quorum- गणपूर्ति
- Qualification-योग्यता
- Quarterly - तिमाही
- Quota - कोटा

102. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- Reverted - प्रत्यावर्तित
- Revoke - प्रतिसंहरण करना
- Revenue - राजस्व
- Resume - सार-वृत्त, पुन: आरंभ करना

103. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- अनुस्मारक, स्मरण पत्र - Reminder
- निरस्त करना - Repeal

104. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- Permissible – अनुज्ञेय
- Permission – अनुज्ञा
- Personnel – कार्मिक
- Period – अवधि
- Permit – अनुज्ञा - पत्र

105. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- Recuruit - भर्ती करना
- Recruitment - भर्ती
- **Rectification** - परिशोधन
- Receipt - प्राप्ति, रसीद

106. उत्तर (4)

व्याख्या:-

शुद्ध वाक्य

- रामायण हमारा भक्तिग्रंथ है।
- ठण्डी हवा चल रही है।
- आज आपके दर्शन हो गये।
- वह अपनी धुन में जा रहा है।

107. उत्तर (3)

व्याख्या:-

शुद्ध वाक्य -

- जो कुछ आप जानते हैं, वह किसी को न बताएँ।
- ताजमहल का सौन्दर्य अनुपम है।
- भारत में सब सम्प्रदायों और जातियों के लोग रहते हैं।
- मेरे तो नाँक में दम आ गया।

108. उत्तर (3)

व्याख्या:-

शुद्ध वाक्य -

- वह खाता-खाता रुक गया।
- आपकी कमीज, पेंट और चश्मा पड़े हैं।
- जो प्रतियोगी परीक्षा में उत्तीर्ण होना चाहें वे नियमित पढ़ें।
- अपने पशुओं पर नियंत्रण रखिए।

कलम ACADEMY

109. उत्तर (4)

- जयपुर कौन-कौन लोग आए थे।
- यह कमीज सुन्दर है।
- इतने अधिक प्रश्न करना ठीक नहीं।
- होली के त्योहार पर अवश्य आना।

110. उत्तर (2)

- महादेवी जी मूर्तिमयी सरस्वती थीं।
- अच्छा पका आम खरीदना चाहिए।
- ताजमहल संगमरमर से निर्मित है।
- ईश्वर निर्विकार है।

111. उत्तर (4)

- ये इस क्षेत्र के लब्ध प्रतिष्ठ समाजसेवी हैं।
- शौचालय साफ रहने चाहिए।
- प्रेम करना तलवार की धार पर चलना है।
- क्योंकि वह मोटा है, इसलिए वह धीरे चलता है।

112. उत्तर (1)

- महात्मा के सदुपदेश सुनने चाहिए।
- तुम यहाँ आए बिना नहीं रह सकते।
- वह क्या करना चाहता है?
- राम ने गाना सुना और घर देखा।

113. उत्तर (2)

- उसने क्या संकल्प किया।
- उसने मुझे गाली दी।
- गत रविवार वह जोधपुर गया।
- प्रवेश निषेध है।

114. उत्तर (3)

- आँधी आने की संभावना है।
- मैं आप सबको धन्यवाद देता हूँ।
- उनको सब पता लग चुका है।
- हाथी पर हौदा रख दो।

115. उत्तर (1,2)

- हम अपनी कक्षा में गये।
- वह जरूर उत्तीर्ण हो जायेगा।
- गगन बहुत विशाल है।
- तुम वास्तव में चतुर हो।

116. उत्तर (4)

- साहित्य व समाज का घनिष्ठ संबंध है।
- उसकी लिपि देवनागरी है।
- अपनों से बैर अच्छा नहीं।
- वह पाँव से जूता उतार रहा है।

117. उत्तर (2)

- यह एकांकी बहुत अच्छा है।
- गन्ने का शीतल रस पीजिए।
- कुख्यात आतंकवादी मारा गया।
- ये मेरे ही हस्ताक्षर हैं।

118. उत्तर (4)

(सर्वनाम संबंधी अशुद्धि)

- 'मेरे को पता नहीं वह कहाँ गया है?'
- मुझे पता नहीं वह कहाँ गया।

119. उत्तर (3)

(क्रिया संबंधी अशुद्धि)

- राम ने गुरुजी से प्रश्न पूछा।
- राम ने गुरुजी से प्रश्न किया। (शुद्ध वाक्य)

120. उत्तर (2)

- यहाँ पर शुद्ध गाय का घी मिलता है।
- यहाँ पर गाय का शुद्ध घी मिलता है। (शुद्ध वाक्य)

121. उत्तर (1)

- वह सचिवालय में लिपिक है।
- तुम सबसे सुन्दर हो।
- मैं आपको कुछ नहीं कह सकता।
- उसकी दृष्टि चित्र पर गड़ी थी।

122. उत्तर (4)

(मुहावरे संबंधी अशुद्धि)
- कुसंगति से उसके तन पर कालिख पुत गई।
- कुसंगति से उसके मुख पर कालिख पुत गई। (शुद्ध वाक्य)

123. उत्तर (3)
- तेरी बातें सुनते-सुनते मेरे कान पक गये।
- कल शाम संगीत का खूब रंग जमा।
- कालचक्र घूमता रहता है।
- आकाशवाणी से समाचार प्रसारित हो रहा है।

124. उत्तर (2)

(अनावश्यक शब्द के कारण अशुद्धि)
- कृपया शीघ्र उत्तर देने की कृपा करें।'
- कृपया शीघ्र उत्तर दें। (शुद्ध वाक्य)

125. उत्तर (1)
- सत्य बोलना उसकी आदत थी।
- गंगा पतित पावनी नदी है।
- अब आप पढ़िये।
- कृष्ण ने कंस का वध किया।

126. उत्तर (3)

व्याख्या:-
- प्रमाण से प्रत्यक्ष की ओर - निगमन विधि

127. उत्तर (4)

व्याख्या:-
- उद्‌बोधन विधि - इस विधि में कठिन शब्दों का अर्थ शिक्षक स्वयं मौखिक रूप से नहीं बताता है, किन्तु विविध क्रियाओं द्वारा छात्रों को उद्‌बोधित करता है, जिससे कि छात्र स्वयं ही उस शब्द का अर्थ निकालने का प्रयत्न करें।
- विश्लेषण विधि - विश्लेषण विधि में शिक्षक शब्द एवं भावों की व्याख्या के लिए प्रश्न आदि का सहारा लेता है और छात्रों को स्वयं सोचने और निर्णय निकालने के अवसर प्रदान करता है।
- प्रश्नोत्तर विधि - अध्यापक बच्चों के पूर्व ज्ञान के आधार पर प्रश्न पूछता हुआ उन्हें नवीन ज्ञान की ओर अग्रसर करता है। इसमें छात्रों को प्रश्न सुनकर स्वयं सोचने एवं उत्तर देने का अवसर प्रदान करता हुआ उन्हें सक्रिय रखने का प्रयास करता है।

128. उत्तर (3)

व्याख्या:-
- इस विधि में बालकों को विषय सामग्री पर तार्किक क्रम से सोचने का अवसर तो मिलता है लेकिन उनके भाषायी विकास और अभिव्यक्ति शैली में सुधार की गुजाइंश नहीं होती है।

129. उत्तर (3)

व्याख्या:-
- इस विधि में द्वितीय भाषा का व्याकरण पहले पढ़ाया जाता है।

130. उत्तर (1)

व्याख्या:-
- बैलार्ड - "प्रोजेक्ट वास्तविक जीवन का एक छोटा सा अंश होता है, जिसे विद्यालय में सम्पादित किया जाता है।"
- किलेपैट्रिक - "प्रजेक्ट सामाजिक वातावरण में पूर्ण संलग्नता से किया जाने वाला उद्देश्यपूर्ण कार्य है।"
- पार्कर - "प्रोजेक्ट कार्य की एक इकाई है जिसमें छात्रों को कार्य की योजना और सम्पन्नता के लिए उत्तरदायी बनाया जाता है।"

131. उत्तर (1)

व्याख्या:-
- यह 4 से 19 वर्ष तक के मंदबुद्धि बालक-बालिकाओं को शिक्षा देने के लिए प्रतिपादित की गई।

132. उत्तर (3)

व्याख्या:-
- यह विधि उच्च स्तर की कक्षाओं के लिए उपयोगी है।
- शिक्षक निर्धारित समय में अधिक विषय-वस्तु प्रेषित कर सकता है। इस प्रकार अल्पावधि में पाठ्यक्रम पूरा किया जा सकता है
- श्रवण क्षमता का विकास भी इस पद्धति से होता है। विद्यार्थियों में ध्यानपूर्वक एकाग्र होकर सुनने की क्षमता विकसित होती है
- विद्यार्थियों की संख्या अधिक होने पर भी इस पद्धति का कुशलतापूर्वक प्रयोग किया जा सकता है।
- विद्यार्थियों के एक बड़े समूह को एक साथ अनुदेशन प्रदान किया जा सकता है।
- इससे बालकों को ध्यान केन्द्रित करने की आदत पड़ती है।
- समय कम लगता है।

133. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- खेल द्वारा शिक्षा की एक निश्चित रूपरेखा प्रस्तुत करने का श्रेय **कॉल्डवेल कुक महोदय** को है जिनका कहना था कि केवल श्रवण और पठन मात्र से शिक्षा पूरी नहीं हो पाती, बल्कि इसके लिए **रुचिपूर्वक स्वाध्याय एवं स्वानुभूति की आवश्यकता** होती है।

134. उत्तर (2)

व्याख्या:-

समवाय विधि -

- नाटक शिक्षण को सरस, रोचक व प्रभावशाली बनाने के लिए इस प्रकार सभी विधियों का सम्मिश्रण कर शिक्षक द्वारा नाटक शिक्षण करवाना ही समवाय विधि है। इसे **संयुक्त विधि** भी कहा जाता है।
- यह विधि नाटक शिक्षण की **सर्वश्रेष्ठ विधि** है।

रंगमंचाभिनय विधि-

- इस विधि के अन्तर्गत बालकों द्वारा वास्तविक रंगमंच पर नाटक का नाटकीय पात्रों के अनुरूप ही वेशभूषा धारण करके विधिवत् अभिनय किया जाता है।
- **नोट**- समवाय विधि के अभाव में नाटक शिक्षण की सर्वोत्तम विधि है।

आदर्शनाट्य/आदर्श अभिनय विधि -

- इस विधि में शिक्षक स्वयं सम्पूर्ण नाटक का भावपूर्ण मुद्रा में वाचिक अभिनय करता है।
- इस विधि का प्रयोग **प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्तर** पर ही उपयोगी है क्योंकि इस स्तर पर नाटक सरल व लघु होते हैं।

135. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- **पद्य शिक्षण-**
  1. गीत विधि
  2. नाट्य विधि/अभिनय विधि
  3. शब्दार्थ कथन विधि/अर्थबोध विधि
  4. दण्डान्वय विधि
  5. खण्डान्वय विधि (प्रश्नोत्तर प्रणाली)
  6. व्याख्या विधि
- **रचना शिक्षण-**
  1. प्रश्नोत्तर विधि
  2. चित्र वर्णन विधि
  3. उद्बोधन विधि
  4. प्रवचन विधि
  5. रूपरेखा विधि
  6. स्वाध्याय अथवा मंत्रणा विधि
  7. तर्क अथवा परिचर्चा विधि
  8. आदर्श अनुकरण विधि
  9. भाषा यंत्र विधि
- गद्य शिक्षण की विधियाँ - उद्बोद्धन विधि, अर्थ बोध विधि, व्याख्या विधि, प्रश्नोत्तर विधि, समीक्षा विधि, संश्लेषण-विश्लेषण विधि

136. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- चित्र वर्णन विधि - इस प्रणाली के अन्तर्गत छात्रों के सम्मुख चित्र प्रस्तुत किये जाते हैं तथा चित्रों की सहायता से किसी घटना या कहानी के वर्णन के लिये छात्रों को प्रेरित किया जाता है।
- प्रवचन विधि - यह विधि उद्बोधन विधि के विपरीत विधि है। इस विधि के अन्तर्गत रचना की विशेष सामग्री के विषय में शिक्षक स्वयं वर्णन करना है और छात्रों से लिखने के लिये कहता है। छात्र अध्यापक द्वारा दिये गये प्रवचन को अपनी भाषा शैली में स्मरण के आधार पर लिखते हैं।
- रूपरेखा विधि - इस विधि के अन्तर्गत एक सुनिश्चित रूप रेखा अथवा संकेत सूत्र देकर छात्रों को रचना कार्य करने के लिए कहा जाता है। इस विधि को सूत्र विधि अथवा प्रबोधन विधि भी कहते हैं।

उद्बोधन विधि :-

- इस विधि में कठिन शब्दों का अर्थ शिक्षक स्वयं मौखिक रूप से नहीं बताता है, किंतु विविध क्रियाओं द्वारा छात्रों को उद्बोधित करता है, जिससे कि छात्र स्वयं ही उस शब्द का अर्थ निकालने का प्रयत्न करें।
- यह गद्य शिक्षण में शब्दार्थ स्पष्ट करने की विधि है।
- उद्बोधन विधि के उपभेद- जीवन चरित, आत्मकथा, दृश्य विधान, अभिनय, कहानी, घटनाओं का वर्णन आदि।
- यह विधि **प्राथमिक कक्षाओं** के लिए प्रयुक्त की जाती है।

137. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- भाषा संसर्ग विधि - इस विधि में छात्रों को व्याकरण का सैद्धान्तिक ज्ञान नहीं करवाया जाता है, अपितु व्याकरण का व्यावहारिक ज्ञान कराने के लिए छात्रों को विद्वान् लेखकों की पुस्तकों के संपर्क में ले जाया जाता है।

138. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- **निगमन विधि/सिद्धांत प्रणाली :-** परम्परागत व्याकरण शिक्षण प्रणाली को निगमन या सिद्धांत प्रणाली कहा गया है। इस प्रणाली में अध्यापक बच्चों को पहले व्याकरण के नियम बताता है फिर उदाहरण देकर नियम को स्पष्ट करता है।
  निगमन विधि के रूप - इस विधि के भी दो रूप हैं-
  (i) सूत्र प्रणाली (ii) पाठ्यपुस्तक प्रणाली
- प्रयोग विधि व सहयोग प्रणाली आगमन विधि का रूप हैं।

139. उत्तर (3)

व्याख्या:-

पाठ्यपुस्तक विधि-
गुण -
- स्व अध्ययन की आदत का निर्माण होता है।
- विषय वस्तु क्रमबद्ध होने के कारण छात्रों के पढ़ने के दृष्टिकोण का विकास होता है।
- स्मरण शक्ति का विकास होता है।

140. उत्तर (*)

व्याख्या:-

- यह परिभाषा बाणभट्ट की है।
- प्रश्न में अस्पष्टता के कारण डिलीट किया जाता है।

141. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- भरतमुनि के अनुसार नाटक शिक्षण का प्रमुख प्रयोजन हितकारी उपदेश देना है।
- **भरतमुनि** द्वारा नाटक शिक्षण के उद्देश्य-**हितोपदेशजनन, विश्रान्तिजनन, विनोदजनन** बताए गए हैं।

142. उत्तर (2)

व्याख्या:-

संश्लेषण विधि :-
- यह भाषा शिक्षण की **तार्किक क्रम** की विधि है।
- इस विधि में सीखने का क्रम - **'वर्ण-शब्द-वाक्य'** होता है।

अर्थात् यह वर्ग से वाक्यों की ओर चलती है।

143. उत्तर (2)

व्याख्या:-

व्यतिरेकी विधि -
- व्यतिरेक का अर्थ - **तुलना** होता है इसलिए इस विधि को **तुलनात्मक विधि** भी कहते हैं।
- इसमें दोनों भाषाओं की ध्वनि व्यवस्था, शब्द व्यवस्था व वाक्य व्यवस्था इत्यादि का तुलनात्मक शिक्षण करवाया जाता है।
- इस विधि के अनुसार द्वितीय भाषा का पाठ्यक्रम बनाते समय मातृभाषा का ध्यान रखना चाहिए।
- **'भोलानाथ तिवारी'** ने इसको **द्वितीय भाषा शिक्षण की सर्वोपरि विधि** कहा है।
- व्यतिरेकी विधि - (i) भोलानाथ तिवारी ने इस विधि को द्वितीय भाषा शिक्षण की सर्वोत्तम विधि माना है। (ii) इस विधि का प्रयोग दो भाषाओं के तुलनात्मक अध्ययन के लिए किया जाता है।

144. उत्तर (3)

व्याख्या:-

आगमन विधि के सोपान/पद-
इस प्रणाली में निम्नांकित सोपानों अथवा पदों का अनुसरण किया जाता है-
(क) उदाहरण - प्रस्तुत प्रकरण से संबंधित अनेक उदाहरण छात्रों के सम्मुख प्रस्तुत करना।
(ख) तुलना एवं विश्लेषण :- उन उदाहरणों की परस्पर तुलना करना, विश्लेषण करना और उनसे व्यक्त समान लक्षणों एवं विशेषताओं को समझना।
(ग) सामान्यीकरण/नियमीकरण/निष्कर्ष :- लक्षणों एवं विशेषताओं के आधार पर नियम, निष्कर्ष या परिभाषा निकालना
(घ) प्रयोग और अभ्यास(परीक्षण) :- निकाले गए निष्कर्ष या नियम की पुष्टि के लिए अनेक प्रयोग करना और उनका अच्छी तरह से अभ्यास करना। इन्हीं अभ्यासों से नियम का परीक्षण किया जाता है।
उपर्युक्त सोपानों के अनुसरण से व्याकरण की शिक्षा द्वारा भाषा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होता है।

145. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- व्याख्या विधि - इस विधि में शिक्षक एक-एक पद को लेकर इसका अर्थ स्पष्ट करता हुआ कवि के दार्शनिक मत, रचना शैली, कविता में वर्णित परिस्थितियों, कविता की भाषा, भाव, अर्थ, प्रतीकों आदि की व्याख्या करके कविता का अर्थ स्पष्ट करता चलता है।
- इस विधि में शिक्षक का उद्देश्य कविता का सामान्य अर्थ बता देना ही नहीं रहता अपितु वह अर्थ के द्वारा भाव व विचार सौंदर्य की अनुभूति छात्रों को कराना चाहता है।
- यह विधि **माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक** कक्षाओं के लिए अधिक उपयोगी है।
- व्याख्या विधि के तीन भेद या रूप माने गए हैं- व्यास विधि, तुलना विधि, समीक्षा विधि।

146. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- दल शिक्षण - दल शिक्षण में दो या दो से अधिक शिक्षक एक-दूसरे को सहयोग करते हुये विद्यार्थियों के समूह को किसी विषय विशेष का शिक्षण कराते हैं। ये शिक्षक अपने-अपने (विभिन्न विषयों) क्षेत्र के विशेषज्ञ होते हैं। ऐसा शिक्षण **दल शिक्षण** या **समूह शिक्षण** या **टोली शिक्षण** या **सहकारिता शिक्षण** कहलाता है।
- दूरस्थ शिक्षण - 'दूर' शब्द में 'स्थ' प्रत्यय के योग से 'दूरस्थ' शब्द बना है, जिसका अर्थ है 'दूर बैठना'। अर्थात् जब शिक्षण एवं विद्यार्थी आमने-सामने न होकर भी शिक्षण कार्य में संलग्न रहते हैं उसे दूरस्थ शिक्षण विधि कहते हैं।

147. उत्तर (4)

व्याख्या:-

गद्य शिक्षण के सोपान :-

- प्रमुखत: गद्य शिक्षण के तीन सोपान होते हैं- वाचन, व्याख्या, विचार विश्लेषण।

रचना के रूप - रचना दो प्रकार से की जा सकती है-

1. मौखिक रचना 2. लिखित रचना

मौखिक रचना के रूप

- वार्तालाप
- कहानी
- चित्र वर्णन
- वाचन एवं कविता पाठ
- भाषण
- परिसंवाद
- वाद-विवाद
- अभिनय एवं कथोपकथन
- बालोपयोगी चलचित्र एवं तत्सम्बंधी परिचर्चा
- महान् वक्ताओं के भाषणों के रिकार्ड्स एवं अनुकरण
- बाल सभा एवं छात्र संसद

व्याकरण शिक्षण की विधियाँ :-

व्याकरण शिक्षण की निम्नलिखित विधियाँ प्रचलित हैं-

1. आगमन विधि-

(i) प्रयोग विधि (i) सहयोग प्रणाली

2. निगमन विधि/सिद्धांत प्रणाली -

(i) सूत्र प्रणाली (ii) पाठ्यपुस्तक प्रणाली

3. भाषा संसर्ग विधि/अव्याकृत विधि

4. आगमन-निगमन विधि

148. उत्तर (3)

व्याख्या:-

व्यास विधि :-

- यह विधि व्याख्या विधि का ही विस्तृत/ विकसित रूप है। इसका नामकरण **कथावाचक व्यासों** के आधार पर किया गया है।
- इस विधि में **शिक्षक कथावाचक की भाँति** एक-एक पद्य स्पष्ट करते हुए अनेक उदाहरण, **अन्त: कथा** आदि का प्रयोग करता है।
- इस विधि में कविता को भाषा और भाव की दृष्टि से परखा जाता है।
- इसमें भाव के स्पष्टीकरण के लिए अनेक उदाहरणों, दृष्टान्तों, सूक्तियों तथा कथाओं का प्रयोग कर व्याख्या की जाती है।
- समीक्षा विधि - (i) यह विधि शास्त्रीय विधि है। (ii) इसके अंतर्गत कविता के भावपक्ष व कलापक्ष की शास्त्रीय समीक्षा की जाती है।
- तुलना विधि - इस विधि के अन्तर्गत शिक्षक प्रस्तुत कविता के समान भाव वाली उसी कवि द्वारा या अन्य कवि द्वारा रचित कविताएँ छात्रों के सम्मुख प्रस्तुत करता है।

149. उत्तर (*)

व्याख्या:-

- प्रश्न में सभी विकल्प सत्य होने के कारण प्रश्न को 'डिलीट' किया जाता है।

डाल्टन प्रणाली-

प्रतिपादक- मिस हेलन पार्कहस्ट

- किंडर गार्टन एवं माण्टेसरी प्रणालियाँ शिशु शिक्षण प्रणालियाँ हैं पर डाल्टन प्रणाली का प्रयोग **8 वर्ष से अधिक आयु** वाले बालकों के लिए किया गया है।
- भाषा शिक्षण विधियों में डाल्टन विधि प्राथमिक विद्यालय के बच्चों हेतु नितांत व्यर्थ है।
- डाल्टन प्रणाली **कक्षा-प्रणाली की जगह स्वाध्याय प्रणाली पर बल** देती है। कक्षा प्रणाली में बालक के वैयक्तिक विकास की उपेक्षा होती है। अत: भाषा की शिक्षा में भी बालक की **वैयक्तिक विभिन्नता** को ध्यान में रखना आवश्यक है।
- डाल्टन प्रणाली **माध्यमिक कक्षाओं** के लिए ही उपयुक्त है क्योंकि उसके पूर्व छोटे बालक स्वाध्याय में सक्षम नहीं होते।

150. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- तुलना विधि - इस विधि के अन्तर्गत शिक्षक प्रस्तुत कविता के समान भाव वाली उसी कवि द्वारा या अन्य कवि द्वारा रचित कविताएँ छात्रों के सम्मुख प्रस्तुत करता है।

तुलना तीन प्रकार से की जा सकती है -

(i) एक ही साहित्य के एक ही कवि की समान भाव वाली अलग-अलग कविताओं की तुलना।

(ii) एक ही साहित्य के अलग-अलग कवियों की समान भाव वाली अलग-अलग कविताओं की तुलना।

(iii) अलग-अलग साहित्य के अलग-अलग कवियों की समान भाव वाली अलग-अलग कविताओं की तुलना।

कलाम ACADEMY